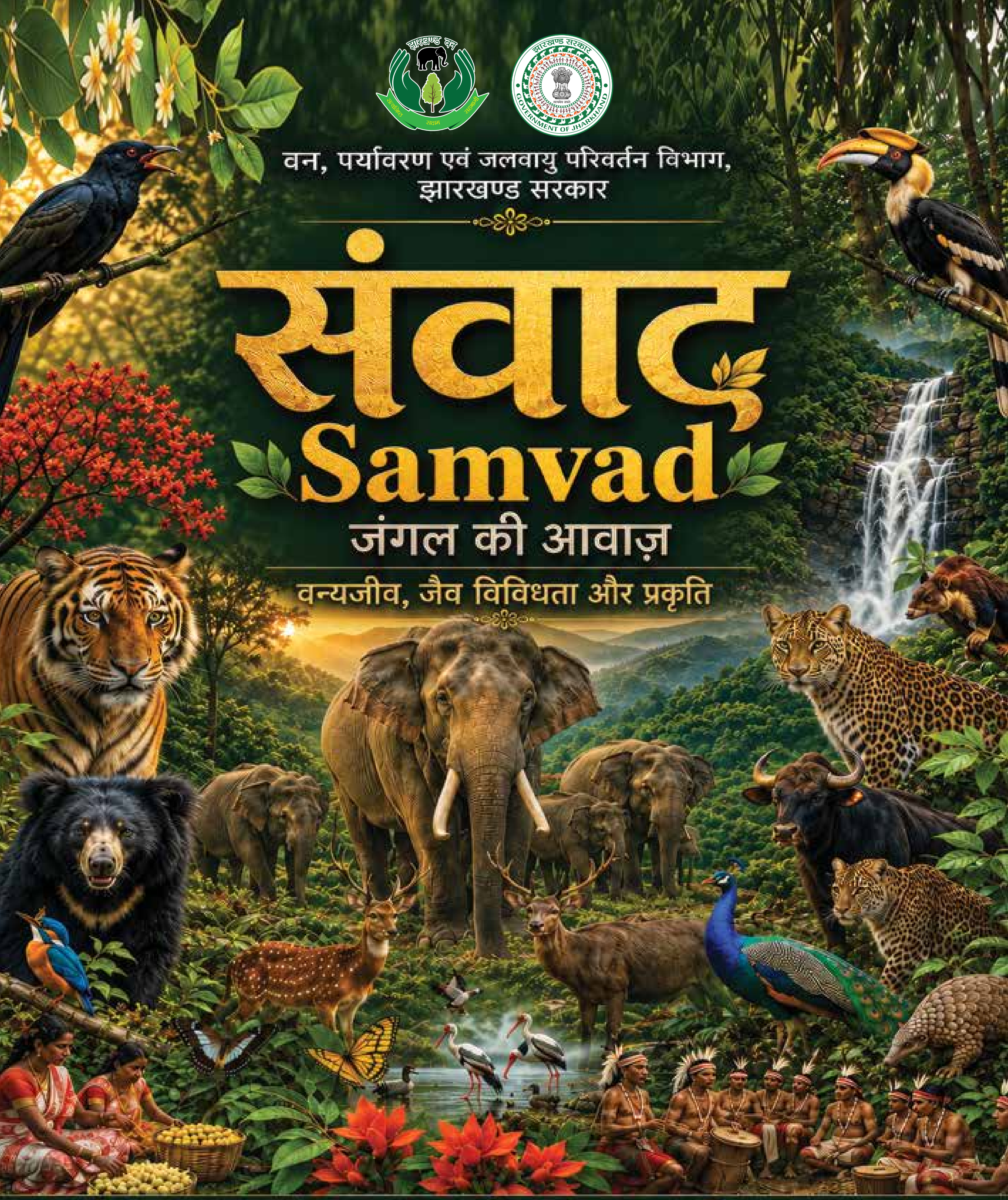

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग,
झारखण्ड सरकार

# संवाद
# Samvad

## जंगल की आवाज़

### वन्यजीव, जैव विविधता और प्रकृति

संरक्षण | सह-अस्तित्व | जन-भागीदारी | सतत विकास | जल संरक्षण

प्रथम अंक | जनवरी–मार्च 2026

# पत्रिका के बारे में

| | |
|---|---|
| प्रकाशन वर्ष | **2026** |
| आवृति | **त्रैमासिक (चार अंक)**<br>जनवरी – मार्च, अप्रैल – जुन,<br>जुलाई – सितम्बर, अक्टूबर – दिसम्बर |
| विषय | **झारखण्ड वन विभाग की गतिविधियाँ** |
| भाषा | हिन्दी |
| प्रकाशक | **वन प्रमंडल पदाधिकारी,** प्रचार एवं प्रसार प्रमंडल, राँची, ब्लॉक–ए, वन भवन, डोरण्डा, राँची |
| प्रकाशक का पता | वन भवन, डोरण्डा, राँची–834002<br>ई–मेल : dfo-publicity@gov.in<br>दुरभाष : 0651-2481674 (O) |

# संवाद

**संवाद : वनों की संरक्षण जागरूकता पर आधारित एक त्रैमासिक पत्रिका**

# अनुक्रमणिका


| क्र.सं. | विषय | पृष्ठ सं. |
|---|---|---|
| 1. | संपादकीय समिति | 2 |
| 2. | संदेश | 3 – 5 |
| 3. | राष्ट्रीय पर्व उत्सव | |
| | गणतंत्र दिवस समारोह 2026 का गरिमामय आयोजन | 6 |
| 4. | नेतृत्व एवं समीक्षा बैठकें | |
| • | मानव–हाथी संघर्ष : समीक्षा एवं निर्देश – प्रधान मुख्य वन संरक्षक–सह–वन बल प्रमुख, श्री संजीव कुमार, भा.व.से. की अध्यक्षता में बैठक | 7 |
| • | हाथी क्षेत्र को जोन में बाँटें, त्वरित कार्रवाई करें – वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक | 8 |
| 5. | कार्यशालाएँ एवं पहल | |
| • | वन फीनोलॉजी पर एक दिवसीय विचार–मंथन कार्यशाला – बीआईटी मेसरा | 8 |
| • | लघु वन उत्पादों के डिजिटल डेटा संग्रह हेतु इंडियन स्कूल ऑफ बिजनस (आईएसबी) एवं सिद्धकोफेड के साथ MoU की पहल | 9 |
| 6. | वन्यजीव एवं जैव विविधता | |
| • | एशियन जलीय पक्षी गणना 2026 | 9 |
| • | फ्लावर शो एवं जैविक उत्पाद प्रदर्शनी : ऑक्सीजन पार्क, राँची | 10 |
| • | जैव विविधता एवं बौद्धिक संपदा अधिकार कार्यशाला | 10 |
| • | झारखण्ड में तितलियों की नई प्रजातियों का अन्वेषण | 11 |
| • | पक्षी महोत्सव : दलमा वन क्षेत्र, जमशेदपुर – तीन दिवसीय आयोजन | 11 |
| • | 'संजीवनी' : झारखण्ड जैव विविधता पर्षद की त्रैमासिक पत्रिका | 12 |
| 7. | वन अग्नि प्रबंधन एवं हरियाली | |
| • | 28 हजार फॉयर वॉरियर – वन अग्नि रोकने की नई पहल | 13 |
| 8. | वन आधारित आजीविका एवं ग्रामीण सशक्तिकरण | |
| 9. | बजट एवं विकास योजनाएँ | |
| • | बजट 2026–2027 : पलामू के कुंदरी लाह फार्म का नवीकरण | 14 |
| • | झारखण्ड गवर्नमेंट फॉरेस्ट्री सेक्टर अवार्ड समिति एवं वन नीति 2026 ड्राफ्टिंग कमेटी गठित | 14 |
| • | पौधारोपण लक्ष्य – ग्रामीण–शहरी साझेदारी | 15 |
| 10. | क्षेत्र गतिविधियाँ | |
| • | पोड़ाहाट वन प्रमंडल, चाईबासा | 15–17 |
| • | हजारीबाग वन प्रमंडल | 17–19 |
| • | राँची वन प्रमंडल | 19–22 |
| • | चतरा दक्षिणी वन प्रमंडल | 22–23 |
| 11. | विशेष पहल | 23–25 |

# संपादकीय समिति

**श्री विश्वनाथ शाह, भा०व०से०**

अध्यक्ष, झारखण्ड जैव विविधता पर्षद, रांची।

**अध्यक्ष**

✆ 7488648442, E-mail : apccf-fda@gov.in

Institutional link : forest.jharkhand.gov.in

**डॉ. ए०टी० मिश्रा भा०व०से०**

प्रधान मुख्य वन संरक्षक–सह–कार्यकारी निदेशक, बंजर भूमि विकास बोर्ड, झारखण्ड, रांची।

**सदस्य**

✆ 9430186231, E-mail : pccf-ednodal@gov.in

Institutional link : forest.jharkhand.gov.in

**श्री रवि रंजन, भा०व०से०,**

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यप्राणी एवं मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, झारखण्ड, रांची।

**सदस्य**

✆ 9431142808, E-mail : pccf-wildlife@gov.in

Institutional link : forest.jharkhand.gov.in

**श्री पी० राजेन्द्र नायडू, भा०व०से०**

वन संरक्षक, प्रादेशिक अंचल एवं सदस्य सचिव झारखण्ड जैव विविधता पर्षद, रांची ।

**सदस्य**

✆ 8709065179, E-mail : cf-ranchi@gov.in

Institutional link : forest.jharkhand.gov.in

**डॉ. विनय कान्त मिश्रा, भा०व०से०,**

वन प्रमंडल पदाधिकारी,
सामाजिक वानिकी प्रमंडल, रांची।

**सदस्य**

✆ 9956479143, E-mail : dfo-sfranchi@gov.in

Institutional link : forest.jharkhand.gov.in

**श्री श्रीकान्त वर्मा, भा०व०से०,**

वन प्रमंडल पदाधिकारी,
प्रचार एवं प्रसार प्रमंडल, रांची।

**सदस्य सचिव**

✆ 7983292848, E-mail : dfo-publicity@gov.in

Institutional link : forest.jharkhand.gov.in

# संदेश

झारखण्ड की पहचान उसके समृद्ध वनों, जैव विविधता, वन्यजीवों एवं प्रकृति–आश्रित समुदायों से है। हमारे राज्य के वन केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक जीवन के आधार हैं। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, वन अग्नि, मानव–वन्यजीव संघर्ष तथा प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव जैसी चुनौतियों के बीच वन संरक्षण एवं सतत विकास की दिशा में सामूहिक प्रयास अत्यंत आवश्यक हो गए हैं।

**"संवाद"** का यह प्रथम अंक झारखण्ड वन विभाग द्वारा किए जा रहे विविध कार्यों, नवाचारों, संरक्षण पहलों, जन–जागरूकता अभियानों तथा सामुदायिक सहभागिता को एक मंच प्रदान करता है। यह समाचार बुलेटिन विभागीय गतिविधियों का दस्तावेज मात्र नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है।

मुझे प्रसन्नता है कि इस अंक में वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन, वन अग्नि प्रबंधन, आजीविका उन्नयन, वैज्ञानिक अनुसंधान तथा जनसहभागिता से जुड़े अनेक प्रेरणादायी पहलुओं को समाहित किया गया है। विशेष रूप से ग्रामीण एवं आदिवासी समुदायों की सहभागिता, वनों के संरक्षण की दिशा में हमारी सबसे बड़ी शक्ति है।

मुझे विश्वास है कि **"संवाद"** वन विभाग, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों, प्रकृति प्रेमियों एवं आमजन के मध्य एक सशक्त संवाद सेतु का कार्य करेगा तथा प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूकता एवं उत्तरदायित्व की भावना को और अधिक सुदृढ करेगा।

मैं इस प्रकाशन से जुड़े सभी अधिकारियों, संपादकीय मंडल एवं सहयोगियों को उनके सराहनीय प्रयासों हेतु शुभकामनाएँ देता हूँ। साथ ही, इस प्रकाशन के सफल संपादन, समन्वय एवं सृजनात्मक सहयोग हेतु सुश्री पल्लवी भारती के विशेष योगदान के लिए उन्हें हार्दिक धन्यवाद एवं शुभकामनाएँ।

**"प्रकृति का संरक्षण ही मानवता का संरक्षण है।"**

**संजीव कुमार, भा.व.से.**
प्रधान मुख्य वन संरक्षक–सह–वन बल प्रमुख,
झारखण्ड

# संदेश

झारखण्ड की समृद्ध वन संपदा, जैव विविधता, वन्यजीव एवं प्रकृति–आश्रित समुदाय हमारे राज्य की अमूल्य धरोहर हैं। यहाँ के वन केवल भूगोल की सीमाओं में समाए हरे–भरे क्षेत्र नहीं हैं। ये सहस्राब्दियों की स्मृति हैं। इनमें संथाल, मुण्डा, उराँव समुदायों की जीवन–लय बसती है। इनमें हाथी की पदचाप है, महुआ की सुगंध है, और उस अनकहे संवाद की गूँज है जो मनुष्य और प्रकृति के बीच युगों से चली आ रही है।

परंतु आज यह संवाद खंडित हो रहा है। जलवायु परिवर्तन, वन अतिक्रमण, अवैध खनन और वन अग्नि की बढ़ती घटनाएँ इस संवाद को तोड़ रही हैं। ऐसे में इस समाचार पत्र के माध्यम से उस टूटे हुए संवाद को पुनः जोड़ने का एक विनम्र प्रयास विभाग द्वारा प्रारंभ किया जा रहा है। **"संवाद"** का यह प्रथम अंक इस प्रयास की आत्मा है।

यह प्रकाशन न केवल विभागीय गतिविधियों का अभिलेख है, बल्कि यह उन वनरक्षकों की निष्ठा का साक्षी है जो रात के अंधेरे में जंगलों में गश्त करते हैं; उन ग्रामीण महिलाओं के साहस का प्रमाण है जो वन समितियों में बैठकर अपनी वन संपदा की रक्षा का संकल्प लेती हैं; और उन जिज्ञासुकों का संकल्प है जो झारखण्ड में तितलियों की भी नई प्रजातियों को खोज लेते हैं।

इस अंक में विशेषतः यह स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है कि संरक्षण केवल विभागीय दायित्व नहीं, बल्कि समाज का सामूहिक उत्तरदायित्व है। हाथी संरक्षण एवं त्वरित राहत तंत्र की पहल, 'फायर वॉरियर' अभियान के माध्यम से वन अग्नि नियंत्रण का प्रयास, जैव–विविधता एवं बौद्धिक संपदा अधिकार पर व्यापक विमर्श, ग्रामीण आजीविका संवर्धन, महिलाओं एवं विद्यार्थियों की सहभागिता एवं प्रकृति संरक्षण को कला, साहित्य और जन–जागरूकता से जोड़ने की अभिनव पहल – ये सभी प्रयास हमारी "जनभागीदारी आधारित संरक्षण" की भावना को सशक्त करते हैं।

मुझे विश्वास है कि **"संवाद"** का यह अंक विभागीय पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों, प्रकृति प्रेमियों, स्थानीय समुदायों एवं आमजन के बीच एक सकारात्मक संवाद सेतु स्थापित करेगा तथा संरक्षण के प्रति उत्तरदायित्व एवं संवेदनशीलता को और अधिक सुदृढ़ बनाएगा।

मैं संपादकीय मण्डल, विभागीय अधिकारियों, क्षेत्रीय कर्मियों तथा इस प्रकाशन से जुड़े सभी सहयोगियों को उनके समर्पित प्रयासों हेतु हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

आशा है कि **"संवाद"** भविष्य में भी संरक्षण, सहभागिता एवं ज्ञान–विनिमय का एक सशक्त मंच बनकर निरंतर आगे बढ़ता रहेगा।

**'हरित झारखण्ड – जनभागीदारी के साथ सुरक्षित एवं सतत भविष्य'**

**विश्वनाथ शाह, भा.व.से.**
अध्यक्ष, झारखण्ड जैव विविधता पर्षद
अध्यक्ष, संपादकीय मंडल, संवाद

# संदेश

''संवाद'' का उद्देश्य झारखण्ड वन विभाग की गतिविधियों, संरक्षण पहलों, नवाचारों एवं जमीनी स्तर पर किए जा रहे प्रयासों को सरल, प्रभावी एवं प्रेरणादायी रूप में समाज के समक्ष प्रस्तुत करना है। इस प्रथम अंक में राज्यभर में संचालित विभिन्न कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, प्रशिक्षणों, जन–जागरूकता अभियानों, वन्यजीव संरक्षण गतिविधियों तथा सामुदायिक सहभागिता से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं को समाहित किया गया है।

यह प्रकाशन विभागीय उपलब्धियों के अभिलेखीकरण के साथ–साथ प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनचेतना विकसित करने का एक सशक्त माध्यम है। हमें विश्वास है कि यह बुलेटिन विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं, वन अधिकारियों, नीति–निर्माताओं एवं प्रकृति प्रेमियों के लिए उपयोगी एवं प्रेरणादायी सिद्ध होगा।

इस अंक के प्रकाशन में राज्य के विभिन्न वन प्रमंडलों, अधिकारियों, विशेषज्ञों एवं सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। मैं सभी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ तथा आशा करता हूँ कि **"संवाद"** भविष्य में भी ज्ञान, सहभागिता एवं संरक्षण चेतना का प्रभावी मंच बना रहेगा।

**"सतत भविष्य के लिए प्रकृति के साथ संतुलित सहअस्तित्व अनिवार्य है।"**

**श्रीकांत वर्मा, भा.व.से.**
वन प्रमंडल पदाधिकारी, प्रचार एवं प्रसार प्रमंडल, रांची
सदस्य सचिव, संपादकीय मंडल, संवाद

# राष्ट्रीय पर्व उत्सव

**रांची, 26 जनवरी 2026**

## गणतंत्र दिवस समारोह 2026 का गरिमामय आयोजन

76वें गणतंत्र दिवस का आयोजन पूरे उत्साह, देशभक्ति एवं गरिमा के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 8:00 बजे प्रधान मुख्य वन संरक्षक–सह–वन बल प्रमुख द्वारा राष्ट्र ध्वज फहराकर किया गया। इस अवसर पर वन विभाग के अधिकारीगण, अग्रिम पंक्ति के वनकर्मी (Frontline Staff), विभागीय कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

ध्वजारोहण के उपरांत प्रधान मुख्य वन संरक्षक–सह–वन बल प्रमुख ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सेवा केवल सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करना भी देश सेवा का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। वनावरण में हुई वृद्धि का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, वनरक्षकों तथा स्थानीय समुदायों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

इस अवसर पर वन संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा, वन अपराध नियंत्रण, सामुदायिक सहभागिता तथा अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अग्रिम पंक्ति के वनकर्मियों को समर्पण, साहस एवं उत्कृष्ट सेवाओं की सराहना करते हुए प्रशस्ति–पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

संध्याकाल में विभाग द्वारा एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय गीत की प्रस्तुति के साथ हुआ। इस सांस्कृतिक संध्या के दौरान कथक नृत्य, सितार वादन, हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत तथा देशभक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं।

26 जनवरी 2026 को रांची स्थित सिदो कान्हू पार्क एवं नक्षत्र वन में गणतंत्र दिवस के अवसर पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर झारपार्क्स के निदेशक–सह–मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी श्री विश्व नाथ शाह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और देश की सतत प्रगति के महत्व को रेखांकित करते हुए गणतंत्र दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला

## नेतृत्व एवं समीक्षा बैठकें | LEADERSHIP & REVIEW MEETINGS

**9 जनवरी 2026**

### मानव-हाथी संघर्ष : समीक्षा एवं निर्देश - प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-वन बल प्रमुख, श्री संजीव कुमार, भा.व.से. की अध्यक्षता में बैठक

प्रधान मुख्य वन संरक्षक–सह–वन बल प्रमुख श्री संजीव कुमार ने वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की समीक्षा बैठक में वन संरक्षण एवं वन्यजीव प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में वन प्रबंधन, वन अपराध, वन भूमि अतिक्रमण, अवैध खनन और वन्यप्राणी प्रबंधन पर वन प्रमंडलों से रिपोर्ट ली गई। प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यप्राणी एवं मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक रवि रंजन, भा.व.से मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) एस. आर. नटेश, भा.व.से सहित सभी क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक और वन प्रमंडल पदाधिकारी बैठक में शामिल हुए।

**मुख्य निर्देश**

- मानव और वन्यप्राणी संघर्ष को कम करना सर्वोच्च प्राथमिकता है।
- वन क्षेत्र की सुरक्षा और अतिक्रमण रोकने पर विशेष बल।

## 10 जनवरी 2026

### निरीक्षण दौरा

10 जनवरी, 2026 को झारखंड के प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख ने कोल्हान और चाईबासा क्षेत्रों का निरीक्षण किया, जिसका मुख्य उद्देश्य इन क्षेत्रों में लगातार बढ़ रही हाथी–मानव संघर्ष की घटनाओं तथा उनसे होने वाली जन–धन हानि की स्थिति का जायजा लेना तथा निरोधात्मक कार्य था।

इस निरीक्षण में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) श्री परितोष उपाध्याय तथा मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी)–सह–फील्ड डायरेक्टर, पलामू टाइगर रिजर्व (PTR) श्री एस. आर. नटेश प्रमुख रूप से सम्मिलित रहे। संघर्ष–प्रभावित क्षेत्रों की वास्तविक स्थिति को नज़दीक से समझने के उद्देश्य से अधिकारियों ने चाईबासा के सुदूर क्षेत्रों का दौरा किया।

निरीक्षण के दौरान प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख झारखंड श्री संजीव कुमार ने संबंधित वन प्रमंडल पदाधिकारियों, वन संरक्षक एवं क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक जमशेदपुर श्रीमती स्मिता पंकज को दो प्रमुख प्राथमिकताओं पर निर्देश दिया ।

- **मुआवजा प्रक्रिया में तेजी:** संघर्ष–पीड़ित परिवारों को समय पर एवं बिना विलंब के आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने हेतु मुआवजे से संबंधित समस्त प्रशासनिक प्रक्रियाओं को शीघ्रता से पूर्ण करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया ।
- **सतत एवं सुदृढ़ निगरानी:** संघर्ष–संभावित क्षेत्रों में स्थिति पर प्रभावी नियंत्रण हेतु क्विक रिस्पॉन्स टीमों (QRTs) द्वारा नियमित एवं सघन गश्त सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

## 14 फरवरी 2026

### माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन की उच्चस्तरीय बैठक: मानव-हाथी संघर्ष की समीक्षा

मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन ने दिनांक 14/02/2026 को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय, काके रोड, राँची में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के वरीय अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में मुख्य सचिव, झारखंड श्री अविनाश कुमार, सचिव, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग श्री अबू बकर सिद्दीकी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख झारखंड श्री संजीव कुमार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी झारखंड सह मुख्य वन्य प्राणी प्रतिपालक झारखंड श्री रवि रंजन, मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी सह निदेशक प्रोजेक्ट टाइगर, पलामू श्री एस आर नटेश उपस्थित थे।

## माननीय मुख्यमंत्री के प्रमुख निर्देश

- जंगली हाथियों के हमलों को हर हाल में रोका जाए; किसी भी व्यक्ति की मृत्यु न हो, यह सुनिश्चित किया जाए।
- प्रभावित क्षेत्रों में बचाव एवं सुरक्षा हेतु तत्काल प्रभावी कदम उठाए जाएँ।
- प्रभावित ग्रामीणों को विशेष तकनीकी प्रशिक्षण देकर 'एलीफेंट रेस्क्यू टीम' तैयार की जाए।
- मशाल हेतु डीजल, केरोसिन, पुराने टायर, टॉर्च, सोलर सायरन आदि ग्रामीणों को उपलब्ध कराए जाएँ।
- ग्रामीणों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर जागरूकता अभियान चलाया जाए।
- 12 दिनों के भीतर मुआवजा भुगतान सुनिश्चित किया जाए।
- कंपनसेशन से जुड़े प्रावधानों में आवश्यक संशोधन कर प्रभावी नियमावली बनाई जाए, ताकि पीड़ित परिवारों को शीघ्र राहत मिले।
- पिछले 5 वर्षों के कैजुअल्टी एवं कंपनसेशन का डेटा राज्य सरकार को उपलब्ध कराया जाए।
- राज्यभर के सभी एलीफेंट कॉरिडोर की मैपिंग की जाए।

## अधिकारियों की जानकारी

- प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख झारखंड श्री संजीव कुमार, ने बताया कि विभाग शीघ्र ही प्रभावित क्षेत्रों के ग्रामीणों को एलीफेंट रेस्क्यू प्रशिक्षण देगा तथा रेस्क्यू सिस्टम मजबूत करने हेतु विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है।
- अधिकारियों ने अवगत कराया कि हजारीबाग क्षेत्र में पाँच हाथियों का एक आक्रामक झुंड सक्रिय है।
- मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी)–सह–फील्ड डायरेक्टर, पलामू टाइगर रिजर्व, श्री एस. आर. नटेश ने बताया कि इन हमलों को रोकने हेतु 70 लोगों की टीम तैनात की गई है और विभाग अलर्ट मोड पर है।

माननीय मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव–हाथी संघर्ष की घटनाओं के प्रति राज्य सरकार संवेदनशील है और पीड़ितों को त्वरित एवं न्यायसंगत राहत देने हेतु प्रतिबद्ध है।

**16 फरवरी 2026**

## हाथी क्षेत्र को जोन में बाँटें, त्वरित कार्रवाई करें - वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक

प्रधान मुख्य वन संरक्षक–सह–वन बल प्रमुख श्री संजीव कुमार, भा.व.से., ने बताया कि झारखण्ड राज्य में वर्तमान में लगभग 680 हाथी निवास करते हैं और इन वन्य हाथियों की सुरक्षा के साथ–साथ मानव जीवन

की रक्षा करना भी वन विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता एवं दायित्व है। माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन के निर्देशों का ससमय पालन करे। हाथी एवं अन्य जंगली जानवरों द्वारा हमले, दुर्घटना, मृत्यु की स्थिति में 12 दिनों के भीतर मुआवजा भुगतान सुनिश्चित किया जाए। अतः विभाग का भी दायित्व है कि उपयुक्त सभी मामलों में लक्ष्य 12 दिनों के भीतर मुआवजा भुगतान कर दिया जाय।

**प्रमुख निर्देश**

- हाथी प्रभावित क्षेत्रों को जोन में बाँटें और 30 मिनट के भीतर क्विक रिस्पांस टीम घटनास्थल पर पहुँचे।
- ड्रोन, रेडियो कॉलर और अन्य आधुनिक उपकरणों की खरीद एवं कॉरिडोर मैपिंग पर कार्रवाई।
- हाथी को भगाने की बजाय शांत करने की नीति अपनाएँ।
- साइलो निर्माण, चेक डैम, घास के मैदान और माइक्रो–हैबिटेट विकसित करना।

## कार्यशालाएँ एवं पहल | Workshops & Initiatives

**21 जनवरी 2026**

### मुटा में स्थापित होगा झारखंड का पहला गिद्ध संरक्षण एवं प्रजनन केन्द्र

**मुख्य बिंदु**

- यह केन्द्र देश का आठवाँ गिद्ध संरक्षण एवं प्रजनन केन्द्र प्रस्तावित है। 21 जनवरी 2026 को झारखण्ड सरकार एवं BNHS (Bombay Natural History Society) के बीच समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर हुए, जिसके तहत अगले पाँच वर्षों तक केन्द्र का संचालन संयुक्त रूप से किया जाएगा।
- गिद्ध प्रकृति के प्राकृतिक सफाईकर्मी (Natural Scavenger) हैं, जो मृत पशुओं को खाकर पर्यावरण को स्वच्छ रखते हैं तथा संक्रामक रोगों के प्रसार को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- 1990 के दशक में डाइक्लोफेनाक (Diclofenac) दवा के उपयोग के कारण गिद्धों की संख्या में लगभग 97% की गिरावट आई, जिससे व्हाइट–बैक्ड, लॉन्ग–बिल्ड एवं स्लेंडर–बिल्ड गिद्ध गंभीर रूप से संकटग्रस्त (Critically Endangered) हो गए।
- गिद्धों का प्रजनन बहुत धीमा होता है; वे 5–6 वर्ष की आयु में प्रजनन शुरू करते हैं और वर्ष में केवल एक अंडा देते हैं। इसलिए संरक्षण एवं प्रजनन केन्द्र का दीर्घकालीन संचालन आवश्यक है।
- मुटा केन्द्र में क्वारंटीन, नर्सरी, अस्पताल एवं कॉलोनी एवियरी सहित आधुनिक आधारभूत संरचनाएँ विकसित की गई हैं। वर्ष 2025–26 में हरियाणा एवं असम से 10 गिद्ध लाकर यहाँ प्रजनन कार्यक्रम प्रारम्भ करने की योजना है। भविष्य में इसे 100 गिद्धों की क्षमता वाले केन्द्र के रूप में विकसित किया जाएगा।
- समझौते के अनुसार झारखंड सरकार वित्तीय एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएँ उपलब्ध कराएगी, जबकि BNHS गिद्धों के संरक्षण, स्वास्थ्य, प्रजनन, अनुसंधान एवं तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

मुटा स्थित गिद्ध संरक्षण एवं प्रजनन केन्द्र झारखंड में गिद्धों के संरक्षण, उनकी संख्या बढ़ाने तथा प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी पहल है।

**4 फरवरी 2026**

## वन फीनोलॉजी पर एक दिवसीय विचार-मंथन कार्यशाला - बीआईटी मेसरा

फीनो–कैम आधारित वन फीनोलॉजी निगरानी पर एक दिवसीय कार्यशाला बीआईटी मेसरा के रिमोट सेंसिंग विभाग में हुई। इसरो, एनआरएससी और बीआईटी मेसरा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला में झारखण्ड वन विभाग के अधिकारी, वैज्ञानिक और शोधार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का उद्देश्य भू–स्थानिक प्रौद्योगिकी से जलवायु–संवेदी वन निगरानी को मजबूत करना।

**11 मार्च 2026**

## लघु वन उत्पादों के डिजिटल डेटा संग्रह हेतु इंडियन स्कूल ऑफ बिजनस ( आईएसबी ) एवं सिद्धकोफेड के साथ MoU की पहल

राज्य में लघु वन उत्पादों का वैज्ञानिक और डिजिटल माध्यम से विस्तृत डेटा तैयार करने के संबंध में दिनांक 11.03.2026 को प्रधान मुख्य वन संरक्षक–सह–वन बल प्रमुख, झारखण्ड के कान्फ्रेंस कक्ष में वन पदाधिकारियों, सिद्धकोफेड (SIDHKOFED) एवं ISB के बीच संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में झारखण्ड के 12 लघु वन पदार्थ (साल, करंज, चिरौंजी, बांस, हर्रा, बहेरा, आंवला, पलाश, बेर, महुआ, इमली एवं कुसुम) से संबंधित data inventorisation की प्रक्रिया पर सिद्धकोफेड (SIDHKOFED), राज्य वन विकास अभिकरण एवं आईएसबी (ISB) के मध्य एक Initial ड्राफ्ट MoU हस्ताक्षरित किए जाने के संबंद्ध में विस्तृत चर्चा की गई। इसके अंतर्गत आधुनिक तकनीकों से जैसे जियोस्पेशियल मैपिंग, रिमोट सेंसिंग और मशीन लर्निंग का उपयोग करके जंगलों का सटीक आकलन करना प्रस्तावित किया गया एवं सरकार को प्रेषित करने का निर्णय लिया गया है।

## सिद्धू कान्हू पार्क, रांची में 'नेचर कनेक्ट' सत्र

राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन हेतु रणनीतिक ज्ञान मिशन (NMSKCC) कार्यक्रम के अंतर्गत सिद्धू कान्हू पार्क, रांची में 'नेचर कनेक्ट' सत्र का आयोजन किया गया।

झारपार्क्स द्वारा प्रबंधित एवं महान संथाल स्वतंत्रता सेनानी सिद्धू मुर्मू और कान्हू मुर्मू के नाम पर स्थापित यह पार्क, इस कार्यक्रम के लिए एक उपयुक्त शहरी हरित परिवेश प्रदान करता है।

अनुभवात्मक शिक्षण के अंतर्गत Early Bird द्वारा 'बर्ड सर्वाइवर गेम' एवं पक्षी अवलोकन गतिविधियों का संचालन किया गया। विद्यार्थियों ने दूरबीन की सहायता से शहरी क्षेत्रों में पाए जाने वाले सामान्य पक्षियों का अवलोकन किया तथा संरचित गतिविधियों के माध्यम से उनके आवास, पारिस्थितिक चुनौतियों और पर्यावरणीय संतुलन के महत्व को समझा।

## वन्यजीव एवं जैव विविधता | Wildlife & Biodiversity

**6-11 जनवरी 2026**

### एशियन जलीय पक्षी गणना 2026

रांची वन प्रमंडल द्वारा वर्ष 2026 में एशियन जलीय पक्षी गणना का आयोजन किया गया। धुर्वा डैम, कांके डैम, पारस डैम, लतरातु डैम, गेतलसूद डैम एवं रातू झील जैसे प्रमुख आर्द्रभूमि क्षेत्रों का अध्ययन किया गया।

| गेतलसूद डैम | | रातू झील | |
|---|---|---|---|
| कुल जलपक्षी | 443 | कुल जलपक्षी | 499 |
| प्रजातियाँ | 22 | प्रजातियाँ | 18 |
| पक्षी कुल (Families) | 11 | पक्षी कुल (Families) | 10 |
| ब्लैक–हेडेड गल | 75 | ब्लैक–हेडेड गल | 150 |
| लिटिल कॉर्मोरेंट | 58 | लिटिल कॉर्मोरेंट | 112 |

## प्रमुख निष्कर्ष

- कुल 46 प्रजातियों के जलपक्षी एवं आर्द्रभूमि आश्रित पक्षियों का अभिलेखन।
- वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची– IV में संरक्षित।

Tufted Duck

Black Headed Gull

## 26 जनवरी एवं 1 फरवरी 2026

हजारीबाग वन्यजीव प्रमंडल द्वारा वर्ष 2026 में एशियन जलपक्षी गणना (Asian Waterbird Census-2026) का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर लोटवा डैम, सलफरनी झील, राजदरवा झील (हजारीबाग वन्यजीव अभयारण्य) तथा टोपचांची झील (टोपचांची वन्यजीव अभयारण्य) में जलपक्षियों एवं आर्द्रभूमि आश्रित पक्षियों का वैज्ञानिक सर्वेक्षण किया गया।

| हजारीबाग वन्यजीव अभयारण्य | | टोपचांची वन्यजीव अभयारण्य | |
|---|---|---|---|
| कुल जलपक्षी | 214 | कुल जलपक्षी | 334 |
| प्रजातियाँ | 34 | प्रजातियाँ | 33 |
| पक्षी कुल (Families) | 15 | पक्षी कुल (Families) | 13 |
| जलपक्षी (प्रजातियाँ) | 25 | जलपक्षी (प्रजातियाँ) | 25 |
| आर्द्रभूमि आश्रित पक्षी (प्रजातियाँ) | 9 | आर्द्रभूमि आश्रित पक्षी (प्रजातियाँ) | 8 |

## प्रमुख निष्कर्ष

- कुल 34 प्रजातियों के जलपक्षी एवं आर्द्रभूमि आश्रित पक्षियों का अभिलेखन हजारीबाग वन्यजीव अभयारण्य में तथा 33 प्रजातियों का अभिलेखन टोपचांची झील में किया गया।
- व्हाइट–कैप्ड रेडस्टार्ट का सलफरनी झील एवं टोपचांची झील से तथा स्टेपी गल, ब्लैक स्टॉर्क एवं पेरेग्रिन फाल्कन का लोटवा डैम से प्रथम अभिलेखन किया गया।
- वूली–नेक्ड स्टॉर्क एवं ओरिएंटल व्हाइट आइबिस (Near Threatened) तथा कॉमन पोचार्ड (Vulnerable) जैसी संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण प्रजातियाँ दर्ज की गईं।

- पेरेग्रिन फाल्कन एवं कॉमन पोचार्ड वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (संशोधित 2022) की अनुसूची–I में संरक्षित प्रजातियाँ हैं।

Black Stork

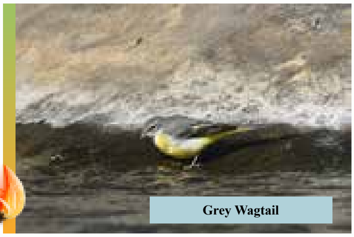
Grey Wagtail

White Capped Redstart

## 31 जनवरी एवं 2 फरवरी 2026

रामगढ़ वन प्रमंडल द्वारा वर्ष 2026 में एशियन जलपक्षी गणना (Asian Waterbird Census–2026) का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर पतरातू डैम, जोड़ा तालाब तथा भारवी (सिकनी) डैम में जलपक्षियों एवं आर्द्रभूमि आश्रित पक्षियों का वैज्ञानिक सर्वेक्षण किया गया।

| पतरातू डैम | | भारवी (सिकनी) डैम | | जोड़ा तालाब | |
|---|---|---|---|---|---|
| कुल जलपक्षी | 1486 | कुल जलपक्षी | 641 | कुल जलपक्षी | 1048 |
| प्रजातियाँ | 38 | प्रजातियाँ | 36 | प्रजातियाँ | 11 |
| पक्षी कुल (Families) | 15 | पक्षी कुल (Families) | 15 | पक्षी कुल (Families) | 8 |
| जलपक्षी (प्रजातियाँ) | 30 | जलपक्षी (प्रजातियाँ) | 30 | जलपक्षी (प्रजातियाँ) | 10 |
| आर्द्रभूमि आश्रित पक्षी (प्रजातियाँ) | 8 | आर्द्रभूमि आश्रित पक्षी (प्रजातियाँ) | 6 | आर्द्रभूमि आश्रित पक्षी (प्रजातियाँ) | 1 |

### प्रमुख निष्कर्ष

- रामगढ़ वन प्रमंडल के तीनों आर्द्रभूमि क्षेत्रों में कुल 43 प्रजातियों के जलपक्षी एवं आर्द्रभूमि आश्रित पक्षियों का अभिलेखन किया गया।
- पतरातू डैम में सर्वाधिक 38 प्रजातियों के 1,486 जलपक्षी दर्ज किए गए, जो इसे क्षेत्र का सबसे समृद्ध पक्षी आवास सिद्ध करते हैं।
- सर्वेक्षण में स्थानीय, स्थानीय–प्रवासी एवं शीतकालीन प्रवासी पक्षियों की उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज की गई, जो इन आर्द्रभूमियों के स्वस्थ पारिस्थितिक तंत्र का संकेत है।
- सर्वेक्षण के दौरान कॉमन पोचार्ड (Common Pochard) जैसी IUCN रेड लिस्ट की Vulnerable श्रेणी की तथा वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (संशोधित 2022) की अनुसूची–I में संरक्षित प्रजाति का भी अभिलेखन किया गया।

**17-18 जनवरी 2026**

## फ्लावर शो एवं जैविक उत्पाद प्रदर्शनी : ऑक्सीजन पार्क, रांची

वन विभाग ने ऑक्सीजन पार्क में दो दिवसीय फ्लावर शो और जैविक उत्पाद प्रदर्शनी का आयोजन किया। सजावटी पौधे, मौसमी फूल, जैविक खाद्य पदार्थ और हर्बल उत्पाद प्रदर्शित किए गए। उत्पादकों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ा गया।

**18 फरवरी 2026**

## जैव विविधता एवं बौद्धिक संपदा अधिकार कार्यशाला

झारखण्ड जैव विविधता पर्षद रांची के द्वारा 18 फरवरी 2026 को कोर्टयार्ड बाय मैरियट, रांची में "बौद्धिक संपदा अधिकार एवं जैव विविधता शासन" विषय पर राज्य स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। मुख्य अतिथि प्रधान मुख्य वन संरक्षक–सह–वन बल प्रमुख श्री संजीव कुमार, भा.व.से. ने जैव विविधता अधिनियम, 2002 का उल्लेख करते हुए स्थानीय समुदायों की भूमिका रेखांकित की।

कार्यशाला का उद्देश्य जैव विविधता अधिनियम, पारंपरिक ज्ञान संरक्षण, लाभ–साझेदारी तथा जैविक संसाधनों के कानूनी उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में वन अधिकारियों, बीएमसी सदस्यों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला की अध्यक्षता श्री विश्वनाथ शाह, भा.व.से. ने की।

कार्यशाला में देश के विभिन्न जिलों से विशेषज्ञों तथा वक्ताओं ने भाग लिया जिनमें प्रो0 (डॉ) जी. बी. रेड्डी (वी.सी, एन.यू.ए.एल.एस, कोच्चि, केरल), प्रो0 (डॉ) एन. एस. श्रीनिवासुलू (डब्लू.बी.एन.यू.जे.एस, कोलकत्ता) (ऑनलाइन), प्रो0 (डॉ) श्यामला कंदादाई एवं प्रो0 (डॉ) एम. आर. श्रीनिवासा मुरथी (एन.यू.एस.आर.एल, रांची) भी सम्मिलित है। वक्ताओं द्वारा पीपुल्स बायोडायवर्सिटी रजिस्टर (PBR), बायोपायरेसी रोकथाम, पारंपरिक ज्ञान दस्तावेजीकरण एवं सामुदायिक अधिकारों के महत्व पर बल दिया। कार्यशाला में जैव विविधता संरक्षण को सामुदायिक अधिकार, कानूनी संरक्षण एवं सतत आजीविका से जोड़ने पर विशेष चर्चा हुई। कार्यक्रम के दौरान "झारखण्ड राज्य में सामुदायिक बीज बैंक की स्थापना व प्रबन्धन : मार्गदर्शिका" का विमोचन किया गया।

**14-16 मार्च 2026**

## एग्रोटेक किसान मेला-2026 में झारपार्क्स को सम्मान

बिरसा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, रांची द्वारा आयोजित एग्रोटेक किसान मेला–2026 के अंतर्गत 14 से 16 मार्च 2026 तक आयोजित बागवानी प्रदर्शनी में झारपार्क्स ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए विभिन्न श्रेणियों में प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार (कुल 7 पुरस्कार) अपने नाम किए। यह उपलब्धि झारपार्क्स की बागवानी क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्टता का प्रमाण है।

**प्रदर्शन श्रेणी की विवरणी**

1. गुलाब मिनिएचर – प्रथम पुरस्कार
2. पिटुनिया प्रदर्शन – प्रथम पुरस्कार
3. जरवेरा (साधारण) प्रदर्शन – प्रथम पुरस्कार
4. डहेलिया प्रदर्शन – द्वितीय पुरस्कार
5. बोटोनबिलियया प्रदर्शन – सांत्वना पुरस्कार
6. गुलाब एच0टी0 (गुलाब) – सांत्वना पुरस्कार
7. साल्लिया प्रदर्शन – सांत्वना पुरस्कार

## गुलाब प्रदर्शनी

**बसंत गुलाब प्रदर्शनी ( Spring Rose Show )**

The Rose Society of Ranchi द्वारा 15 मार्च 2026 को आयोजित बसंत गुलाब प्रदर्शनी (Spring Rose Show) में रांची के नक्षत्र वन एवं सिदो कान्हू पार्क को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इस आयोजन में पार्क को गुलाब की विभिन्न श्रेणियों में कुल 24 पुरस्कार प्राप्त हुए, जिनमें प्रथम व द्वितीय स्थान के साथ–साथ मेरिट सर्टिफिकेट भी शामिल हैं। यह सफलता नक्षत्र वन एवं सिदो कान्हू पार्क की बागवानी में उत्कृष्टता और विविध किस्मों के सुंदर गुलाब उगाने के प्रति समर्पण को दर्शाती है।

## प्रतियोगिता प्रदर्शन की श्रेणी का विवरण

| Sido Kanhu Park, Ranchi | | Nakshatra Van, Ranchi | |
|---|---|---|---|
| 1. | 1 HT Specimen bloom – Yellow Group (1st Prize) | 1. | Display of HT Roses – Unlimited (1st Prize) |
| 2. | 1 HT Specimen bloom – Apricot Group (1st Prize) | 2. | 1 HT Specimen bloom – Orange Scarlet Group (1st Prize) |
| 3. | Floribunda 3 stems Diff. Varieties - (1st Prize) | 3. | Display of HT Roses – Unlimited (2nd Prize) |
| 4. | Polyantha 3 stems 1 or More Varieties – (1st Prize) | 4. | 1 HT Specimen bloom – Yellow Group (2nd Prize) |
| 5. | Display of Flribanda/Miniahire/Polyantha – Unlimited (1st Prize) | 5. | 1 HT Specimen bloom – Apricot Group (2nd Prize) |
| 6. | 1 Fully open HT bloom – Any Colour (2nd Prize) | 6. | Floribunda 3 stems Diff. Varieties - (2nd Prize) |
| 7. | 1 HT Specimen bloom – Red Group (2nd Prize) | 7. | A Box of 12 HT Specimen Blooms (2nd Prize) |
| 8. | 1 HT Specimen bloom – Lavender, Mauve Group (2nd prize) | 8. | Polyantha 3 stems 1 or More Varieties – (2nd Prize) |
| 9. | A Box of 9 HT Specimen Blooms – (Certificate of Merit) | 9. | A Box of 6 HT Specimen Blooms – (2nd Prize) |
| 10. | 1 HT Specimen bloom – Yellow Group (Certificate of Merit) | 10. | 1 HT Specimen bloom – Apricot Group (Certificate of Merit) |
| 11. | 1 HT Specimen bloom – Deep Pink Group (Certificate of Merit) | 11. | 1 HT Specimen bloom – Deep Pink Group (Certificate of Merit) |
| | | 12. | Box of 9 HT Specimen Blooms (Certificate of Merit) |

## शीत गुलाब प्रदर्शनी ( Winter Rose Show )

The Rose Society of Ranchi द्वारा 11 जनवरी 2026 को आयोजित शीत गुलाब प्रदर्शनी (Winter Rose Show) में रांची के नक्षत्र वन एवं सिदो कान्हू पार्क को शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इस आयोजन में पार्क को गुलाब की विभिन्न श्रेणियों में कुल 23 पुरस्कार प्राप्त हुए, जिनमें प्रथम व द्वितीय स्थान के साथ–साथ मेरिट सर्टिफिकेट भी शामिल हैं। यह उपलब्धि नक्षत्र वन एवं सिदो कान्हू पार्क की बागवानी में निरंतर उत्कृष्ट कार्य और गुलाब की विविध किस्मों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

## प्रतियोगिता प्रदर्शन की श्रेणी का विवरण

| Sido Kanhu Park, Ranchi | | Nakshatra Van, Ranchi | |
|---|---|---|---|
| 1. | 1 Fragrant Blooms – Any Colour (1st Prize) | 1. | A Box of 6 HT Specimen Blooms – (1st Prize) |
| 2. | 1 HT Specimen bloom – Deep Pink Group (1st Prize) | 2. | Floribunda 3 stems Diff. Varieties - (1st Prize) |
| 3. | 1 HT Specimen bloom – Light Pink Group (1st Prize) | 3. | 1 HT Specimen bloom – Orange Scarlet Group (1st Prize) |
| 4. | 1 HT Specimen bloom – Light Pink Group (2nd Prize) | 4. | 1 HT Specimen bloom – Orange Scarlet Group (2nd Prize) |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 5. | 1 HT Specimen bloom – Apricot Group (2nd Prize) | 5. | 1 Fully open HT bloom – Any Colour (2nd Prize) |
| 6. | 1 Fully open HT bloom – Any Colour (2nd Prize) | 6. | 1 HT Specimen bloom – Yellow Group (2nd Prize) |
| 7. | 1 HT Specimen bloom –Any other Colour (2nd prize) | 7. | A Box of 9 HT Specimen Blooms (Certificate of Merit) |
| 8. | 1 HT Specimen bloom – Deep Pink Group (Certificate of Merit) | 8. | **1 HT Specimen bloom – Deep Pink Group (Certificate of Merit)** |
| 9. | 1 HT Specimen bloom –Any other Colour (Certificate of Merit) | | |
| 10. | 1 HT Specimen bloom –Striped (Certificate of Merit) | | |
| 11. | 1 Fully open HT bloom – Any Colour (Certificate of Merit) | | |
| 12. | Floribunda 3 Varieties - (Certificate of Merit) | | |

## 23 फरवरी 2026

## झारखण्ड में तितलियों की नई प्रजातियों का अन्वेषण

झारखण्ड के वन क्षेत्रों में तितलियों की विविधता और नई प्रजातियों के दस्तावेजीकरण पर विशेष सर्वेक्षण किया जा रहा है। तितलियों के अन्वेषण में कई दुर्लभ और 5 नई प्रजातियों की पहचान झारखण्ड में हुई है। सर्वेक्षण डेटा को झारखण्ड जैव विविधता पर्षद के रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा।

## 8-10 मार्च 2026

## पक्षी महोत्सव : दलमा वन क्षेत्र, जमशेदपुर - तीन दिवसीय आयोजन

प्रकृति प्रेमियों और पक्षी विशेषज्ञों के लिए दलमा वन क्षेत्र आकर्षण का केंद्र बना। प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यप्राणी श्री रवि रंजन भा०व०से० ने बैलून उड़ाकर तीन दिवसीय पक्षी महोत्सव का उद्घाटन किया। देश के विभिन्न राज्यों से 150 से अधिक पक्षी विशेषज्ञ, शोधार्थी, छात्र और प्रकृति प्रेमी शामिल हुए।

**मुख्य बिंदु**

- दलमा क्षेत्र में 200 से अधिक पक्षी प्रजातियाँ देखे गये हैं।
- विशेषज्ञ टीमों और अलग–अलग समूहों में पक्षियों का अवलोकन किया गया।
- पक्षियों की पहचान, गतिविधियों और प्राकृतिक आवास की जानकारी दस्तावेजीकृत किया गया।

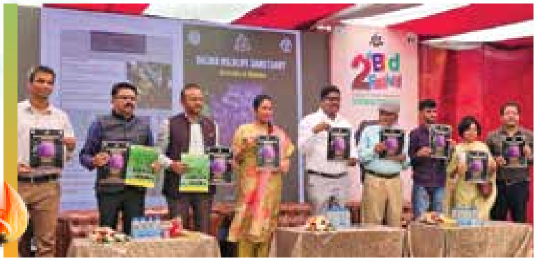

## 'संजीवनी' : झारखण्ड जैव विविधता पर्षद की त्रैमासिक पत्रिका

'संजीवनी' झारखण्ड जैव विविधता पर्षद द्वारा प्रकाशित एक त्रैमासिक पत्रिका है, जिसका उद्देश्य जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरणीय जागरूकता तथा प्रकृति के प्रति जन–सहभागिता को बढ़ावा देना है। पत्रिका में जैव विविधता संरक्षण, औषधीय पौधों, वन्यजीवों, पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन, पारंपरिक पारिस्थितिकीय ज्ञान (Traditional Ecological Knowledge) तथा समुदाय आधारित संरक्षण पहलों से संबंधित शोध आलेख, लेख, क्षेत्रीय अध्ययन प्रतिवेदन एवं शैक्षणिक सामग्री प्रकाशित की जाती है। इसके माध्यम से वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों, नीति–निर्माताओं, वन एवं पर्यावरण क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों तथा प्रकृति प्रेमियों को ज्ञान एवं अनुभव साझा करने का अवसर प्राप्त होता है। 'संजीवनी' जैव विविधता से संबंधित वैज्ञानिक जानकारी के प्रसार का एक सशक्त माध्यम है।

अब तक पत्रिका के चार अंक सफलतापूर्वक प्रकाशित किए जा चुके हैं। इस वर्ष अब तक यह पत्रिका जैव विविधता के विभिन्न आयामों पर आधारित शोधपरक एवं ज्ञानवर्धक सामग्री का एक महत्वपूर्ण मंच बनकर उभरी है।

## वन अग्नि प्रबंधन एवं हरियाली | Forest Fire Management & Green Cover

**18 फरवरी 2026**

### 28 हजार फॉयर वॉरियर - वन अग्नि रोकने की नई पहल

झारखण्ड के वनों में आग की घटनाओं को शून्य पर लाने के लक्ष्य के साथ वन विभाग ने नई पहल शुरू की है। अभी तक 28 हजार ग्रामीणों को "फायर वॉरियर" के तौर पर एक व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए पंजीकृत कर जोड़ा गया है। इसे बढ़ाकर 50 हजार तक पहुँचाने की योजना है।

**मुख्य कदम**

- ड्रोन और सैटेलाइट अलार्म सिस्टम का प्रयोग।
- हर जिले और रेंज स्तर पर 24 घंटे कार्यरत कंट्रोल रूम।
- टोल फ्री नंबर — मुखिया, वनवासी, छात्र और स्थानीय लोगों को मोबाइल सूचना तंत्र से जोड़ा जाएगा।
- जंगलों में 10–20 मीटर चौड़ी फायर लाइन सक्रिय।
- नुक्कड़ नाटक और प्रभात फेरी से जागरूकता अभियान।

**हरियाली उपलब्धि - भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून**

**58 Km²**

वन विभाग के अथक प्रयासों के फलस्वरूप राज्य में 58 वर्ग किमी हरियाली का रकबा बढ़ा।

## वन आधारित आजीविका एवं ग्रामीण सशक्तिकरण
## Forest Livelihoods & Rural Empowerment

**26 - 27 फरवरी 2026**

### वन क्षेत्र के लोगों को आजीविका से जोड़ें : संजीव कुमार

प्रधान मुख्य वन संरक्षक–सह–वन बल प्रमुख श्री संजीव कुमार, भा.व.से. ने वन अधिकारियों को निर्देश दिया कि महुआ, मधु, तेंदूपत्ता, साल बीज जैसे लघु वन पदार्थ के संग्रहण, प्रसंस्करण और विपणन से ग्रामीणों को लाभ मिले। बाँस आधारित उद्योग, मधुमक्खी पालन, नर्सरी प्रबंधन और मशरूम उत्पादन जैसी आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा।

## फूड-ग्रेड महुआ पहल : वनोपज को मिला बेहतर बाजार और ग्रामीणों को बेहतर आय

गिरिडीह (पूर्वी) वन प्रमंडल द्वारा सिधोफेड, संयुक्त वन प्रबंधन समितियों (JFMC) एवं Wild Harvest के सहयोग से प्रारंभ की गई फूड–ग्रेड महुआ क्रय पायलट परियोजना ने लघु वनोपज के मूल्य संवर्धन की दिशा में एक नई पहल की है। इस परियोजना का उद्देश्य महुआ फूलों का स्वच्छ, गुणवत्तापूर्ण संग्रहण कर उन्हें उच्च मूल्य वाले खाद्य उत्पादों के लिए बाजार से जोड़ना तथा वनाश्रित परिवारों की आय बढ़ाना है।

परियोजना के अंतर्गत चयनित गाँवों में लगभग 2,300 महुआ वृक्षों के नीचे विशेष संग्रहण जाल (नेट) लगाए गए, जिससे महुआ फूल सीधे मिट्टी के संपर्क में आने से बच सके। गुणवत्तापूर्ण संग्रहण, वैज्ञानिक सुखाने, पैकेजिंग तथा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) के माध्यम से किसानों को पारंपरिक बाजार मूल्य ₹30 प्रति किलोग्राम के स्थान पर ₹70–80 प्रति किलोग्राम तक मूल्य प्राप्त हुआ। पायलट परियोजना के दौरान लगभग 9 टन फूड–ग्रेड महुआ का संग्रहण किया गया, जिससे ग्रामीणों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

यह पहल दर्शाती है कि यदि लघु वनोपज का वैज्ञानिक ढंग से संग्रहण, गुणवत्ता नियंत्रण तथा संगठित विपणन किया जाए तो वन आधारित आजीविका को सशक्त बनाया जा सकता है। फूड–ग्रेड महुआ मॉडल भविष्य में झारखंड के अन्य वन क्षेत्रों में भी आजीविका संवर्धन एवं सतत वन प्रबंधन का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

# बजट एवं विकास योजनाएँ | Budget & Development Plans

**25 फरवरी 2026**

## बजट 2026-2027 : पलामू के कुंदरी लाह फार्म का नवीकरण

राज्य सरकार ने वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन क्षेत्र में वर्ष 2026–27 के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की है। भारतीय वन सर्वेक्षण के अनुसार राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 29.76% हिस्सा वनाच्छादित है। 2025–26 में 2.40 करोड़ पौधों का रोपण किया गया; 2026–27 में 2.60 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है।

### बजट की मुख्य बातें

- सारंडा, पाकुड़ और गुमला वन प्रमंडलों में ईको पार्क एवं जैव विविधता पार्क विकसित करना।
- नोवामुंडी पार्क, फॉसिल पार्क, अंजन धाम और चाकुलिया पार्क में स्थानीय रोजगार उपलब्ध कराना।
- पलामू कुंदरी लाह फार्म का जीर्णोद्धार करना – लाह उत्पादन में बढ़ोतरी हेतु।

**31 मार्च 2026**

## झारखण्ड गवर्नमेंट फॉरेस्ट्री सेक्टर अवार्ड समिति एवं वन नीति 2026 ड्राफ्टिंग कमेटी गठित

वन एवं वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करनेवाले अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए श्री विश्वनाथ शाह, भा.व.से., प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं अध्यक्ष झारखण्ड जैवविविधता पर्षद की अध्यक्षता में एक पुरस्कार समिति का गठन किया गया।

वन नीति 2026 ड्राफ्टिंग हेतु भी अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, श्री डी० वेंकटेश्वरलू (भा०व०से०) की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है जिसके सदस्य सचिव, श्री नीतीश कुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी रामगढ़ है।

## पौधारोपण लक्ष्य - ग्रामीण-शहरी साझेदारी

प्रधान मुख्य वन संरक्षक–सह–वन बल प्रमुख श्री संजीव कुमार, भा.व.से. ने कहा – पौधारोपण लक्ष्य प्राप्ति के लिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के लोगों की सहायता ली जाए। विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) की तैयारियों का जायजा लिया गया। यह निर्देश दिया गया कि संयुक्त वन प्रबंधन समिति और ग्रामीणों को जन जागरूकता से जोड़ा जाए। वन अग्नि की घटनाओं में कमी पर संतोष व्यक्त किया गया।

# क्षेत्र गतिविधियाँ | Field Activities

झारखण्ड राज्य में विभिन्न वन प्रमंडलों द्वारा सराहनीय कार्य करने का प्रयास किया गया है। उनमें से कुछ निम्न है।

# पोड़ाहाट वन प्रमंडल, चाईबासा

**02 फरवरी 2026**

## वन समिति प्रशिक्षण कार्यशाला - साल पत्ता / कटोरी उत्पादन

वन समिति सदस्यों को साल पत्ता प्लेट एवं कटोरी निर्माण पर एक दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण दिया गया। उद्देश्य लघु वनोपज के माध्यम से वन–निर्भर समुदायों की आजीविका को सशक्त बनाना।

55-60 इनडोर हॉल

**06 फरवरी 2026**

## जागरूकता-सह-सम्पर्क अभियान - वन अग्नि से वनों की सुरक्षा

पोड़ाहाट वन प्रमंडल द्वारा वन अग्नि जागरूकता एवं संपर्क अभियान। वन कर्मियों एवं ग्रामीणों ने जागरूकता रैली एवं संकल्प लिया। बैनर पर वन सुरक्षा के प्रमुख संदेश प्रदर्शित।

25-30 खुला वन सीमांत

**10 फरवरी 2026**

## वन अग्नि जागरूकता अभियान - ग्राम समुदाय बैठक

ग्रामीण महिलाओं एवं पुरुषों को वन अग्नि के कारणों, परिणामों और रोकथाम पर संवेदनशील बनाने हेतु खुले आसमान के नीचे सामुदायिक संपर्क कार्यक्रम। समुदाय सदस्यों को वन अग्नि प्रहरी बनने हेतु प्रेरित किया गया।

30-35 वृक्ष तले

### गतिविधि सारांश

| क्र. | कार्यक्रम | स्थान | तिथि | प्रतिभागी |
|---|---|---|---|---|
| 01 | समिति प्रशिक्षण – साल पत्ता/कटोरी उत्पादन | भरंडिया | 02/02/2026 | 55–60 |
| 02 | जागरूकता–सह–सम्पर्क अभियान – जरकेल | जरकेल | 06/02/2026 | 25–30 |
| 03 | वन अग्नि जागरूकता – ग्राम बैठक | लारौली | 10/02/2026 | 30–35 |
| | **कुल अनुमानित प्रतिभागी** | | | **100–125** |

**11-15 जनवरी 2026**

## हाथी बचाव एवं प्रबंधन

**उपकरण वितरण (11 जनवरी) :** सदपटका, रांची जिला में 6 वन कर्मियों को GPS डिवाइस, हाई–पावर टॉर्च लाइटें, रेडियो कम्युनिकेशन किट और प्राथमिक चिकित्सा किट वितरित किए गए।

**रात्रि गश्त अभियान (15 जनवरी) :** नरंगा, तारापाई, चतरा जिला में रात्रि 9:30 बजे लगभग 12–14 वन कर्मियों की टीम ने टॉर्च लाइट से सुसज्जित होकर हाथी प्रभावित क्षेत्र में रात्रि गश्त की। समन्वित रात्रि गश्त से ग्रामीणों को समय पर सतर्क किया जा सका।

**विभागीय कदम एवं अनुशंसाएँ**

- मझगाँव–बालांडिया–चाईबासा कॉरिडोर पर स्थायी वॉच टॉवर की स्थापना।
- हाथी प्रभावित गाँवों में सोलर फेंसिंग और अर्ली वार्निंग सिस्टम।
- ग्रामीणों को हाथी मित्र कार्यक्रम से जोड़ा जाए।
- रेडियो कॉलर लगाकर हाथियों की वास्तविक समय ट्रैकिंग।

- वन कर्मियों को ट्रैंकुलाइजिंग और हाथी प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण।
- हाथी के हमले में 12 दिनों के भीतर मुआवजा भुगतान – हर हाल में सुनिश्चित किया जाय।

## रंका जैव विविधता उद्यान का लोकार्पण

**प्रकृति संरक्षण, जनजागरूकता एवं इको-पर्यटन की दिशा में एक नई पहल**

गढ़वा दक्षिणी वन प्रमंडल के अंतर्गत निर्मित जैव विविधता उद्यान, रंका का लोकार्पण झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 15 नवम्बर 2025 को माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन द्वारा रांची से ऑनलाइन किया गया। इसके उपरांत 6 मार्च 2026 को माननीय विधायक श्री सत्येन्द्रनाथ तिवारी द्वारा उद्यान का औपचारिक लोकार्पण किया गया तथा इसे आम नागरिकों के लिए खोल दिया गया।

रंका जैव विविधता उद्यान का उद्देश्य प्रदेश की समृद्ध जैव विविधता से आमजन, विद्यार्थियों एवं प्रकृति प्रेमियों को परिचित कराना, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा प्रकृति–आधारित पर्यटन को प्रोत्साहित करना है। उद्यान स्थानीय जैव विविधता के संरक्षण, पर्यावरण शिक्षा तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशील समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

आधुनिक सुविधाओं एवं आकर्षक प्राकृतिक परिवेष से युक्त यह उद्यान गढ़वा जिले में इको–पर्यटन का नया आकर्षण बनकर उभरा है। आम नागरिकों के लिए खुलने के साथ ही यह पर्यावरण शिक्षा, प्रकृति अवलोकन तथा मनोरंजन का एक प्रमुख केंद्र बन गया है। वन विभाग द्वारा विकसित यह पहल जैव विविधता संरक्षण एवं जनसहभागिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

## घाघरा चेकडैम : जल संरक्षण से वन एवं वन्यजीवों को नया संबल

'जल संरक्षण ही वन संरक्षण का आधार है।' इसी सोच को साकार करते हुए गिरिडीह (पूर्वी) वन प्रमंडल के खुरचुट्टा वन क्षेत्र स्थित घाघरा वन में एक स्थायी चेकडैम का निर्माण किया गया है। पूर्व में बने अस्थायी चेकडैम क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण वर्षा जल का संरक्षण संभव नहीं हो पा रहा था। नई संरचना के निर्माण से अब लगभग 20 हेक्टेयर क्षेत्र में वर्षाजल का संचयन तथा पूरे जलग्रहण क्षेत्र का संरक्षण सुनिश्चित हुआ है।

इस चेकडैम से लगभग 100 हेक्टेयर भूमि के भू–जल स्तर में सुधार होने के साथ किसानों को दोहरी फसल के लिए सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही, वन्यजीवों के लिए वर्षभर जल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी तथा मृदा अपरदन एवं भूमि कटाव पर भी प्रभावी नियंत्रण मिलेगा। चेकडैम वन क्षेत्र में अतिक्रमण रोकने तथा पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में भी सहायक सिद्ध होगा।

तकनीकी मानकों के अनुरूप निर्मित इस संरचना में मजबूत फाउंडेशन, कोर वॉल, मिट्टी का भराव, आउटलेट तथा स्टोन पिचिंग जैसी व्यवस्थाएँ की गई हैं, जिससे इसकी दीर्घकालिक उपयोगिता एवं जलधारण क्षमता सुनिश्चित हो सके। यह परियोजना वन संरक्षण और जल संसाधन प्रबंधन के समन्वित दृष्टिकोण का उत्कृष्ट उदाहरण है।

# हजारीबाग वन प्रमंडल

**24 फरवरी 2026**

## हजारीबाग में हाथी प्रभावित गाँवों में 40 सोलर स्ट्रीट लाइटों की स्थापना

हजारीबाग प्रशासन ने इचाक प्रखंड के दादा पंचायत के हाथी प्रभावित गाँवों में 40 सोलर स्ट्रीट

लाइट लगाने के कदम उठाए। DMFT निधि से करीब ₹5 लाख की लागत से यह कार्य होगा। दादा गाँव, आरा, दिग्घी बस्ती और उजरही दिग्घी – प्रत्येक में 10 सोलर लाइटें लगाई जाएंगी। इससे रात्रि दृश्यता, सतर्कता और सामुदायिक सुरक्षा में सुधार होगा।

**8 मार्च 2026**

## अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस - बभनवै व नावाडीह

सामाजिक वानिकी प्रमंडल, हजारीबाग के अंतर्गत उत्क्रमित उच्च विद्यालय बभनवै में एक कार्यशाला का आयोजन कर विद्यालय के छात्र–छात्राओं को महिलाओं के आधिकार, सम्मान और समानता के विषय में बताया गया, जिसमें महिलाओं को सशक्त बनना, महिलाओं को समान अधिकार दिलाना, शिक्षा व रोजगार में समान अवसर देना इत्यादि महत्वपूर्ण उद्देश्यों के संबंध में छात्र–छात्राओं अवगत कराया गया। साथ ही साथ जल संचयन के संबंध में भी जानकारी दी गयी। उक्त कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, छात्र–छात्राओं एवं सामाजिक वानिकी प्रक्षेत्र, हजारीबाग के कर्मचारीगण उपस्थित थे।

साथ ही माण्डू के नावाडीह में ग्रामीणों के बीच अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया, जिसमें विशेषकर ग्रामीण महिला एवं पुरूष उपस्थित थे। सामाजिक वानिकी प्रक्षेत्र, माण्डू के कर्मचारियों द्वारा महिलाओं के अधिकार, सम्मान और समानता के विषय में बताया गया, एवं महिलाओं को सशक्त बनना, महिलाओं को समान अधिकार दिलाना, शिक्षा व रोजगार में समान अवसर देना इत्यादी महत्वपूर्ण उद्देश्यों के संबंध में अवगत कराया गया। कार्यक्रम के अन्त में प्रभारी वनपाल द्वारा महिला दिवस की शुभकामनाओं के साथ कार्यक्रम की समाप्ति की गई।

## 21 मार्च 2026 - अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस

## अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस - छड़वा उत्क्रमित उच्च विद्यालय

सामाजिक वानिकी प्रमंडल, हजारीबाग द्वारा छड़वा में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विद्यालय परिसर से रैली आयोजित की गई जो गाँव होते हुए जंगल पहुँची। वनों के महत्व, वन अग्नि से नुकसान एवं बचाव की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही वाद–विवाद एवं क्विज प्रतियोगिता में विजेता हुए छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

# राँची वन प्रमंडल

**20-22 मार्च 2026**

## जंगल, जल व गौरैया के संरक्षण पर तीन दिवसीय कला महोत्सव, रांची

वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग के तत्वाधान में तीन दिवसीय कार्यक्रम प्रकृति–2026 सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। ''ऑल इंडिया स्प्रिंग आर्ट कैंप'' का आयोजन रांची के डोरंडा स्थित पलाश सभागार में 20 से 22 मार्च 2026 तक किया गया। इस कार्यक्रम में देश भर के 55 प्रतिष्ठित कलाकारों ने अपनी कला के माध्यम से जीवन में प्रकृति के महत्व को दर्शाया।

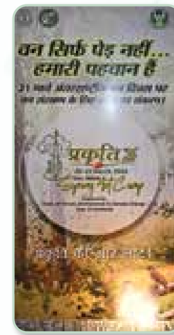


कार्यक्रम के अंतिम दिन विश्व जल दिवस का भी आयोजन किया गया। इसके साथ ही विश्व गौरिया दिवस और विश्व वानिकी दिवस के अवसरों को भी इस कार्यक्रम में समाहित करते हुए प्रकृति संरक्षण का व्यापक संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधान मुख्य वन संरक्षक–सह–वन बल प्रमुख श्री संजीव कुमार, भा.व.से. ने संयुक्त वन प्रबंधन समिति के सदस्यों से विशेष आग्रह किया कि सभी वनवासी एवं ग्रामीण महिलाओं की आजीविका का मुख्य आधार वनों को बनाने का प्रयास करें। उन्होंने जल संरक्षण, प्रकृति संरक्षण एवं वन्यप्राणी संरक्षण के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला।

> ''कला ने लिपि से पहले विकास पाया और प्रकृति के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने का यह सबसे सशक्त माध्यम है। कला के जरिए जटिल संदेशों को भी समाज में आसानी से प्रसारित किया जा सकता है।''
>
> *– **संजीव कुमार**, भा.व.से.,*
> *प्रधान मुख्य वन संरक्षक–सह–वन बल प्रमुख, झारखण्ड*

## कला प्रदर्शनी

तीन दिवसीय आर्ट कैंप में देश के नामी कलाकारों ने अपनी पेंटिंग कला का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने कूचियों से कैनवास पर प्रकृति के महत्व को दर्शाया। देशभर से आए 55 प्रतिष्ठित कलाकारों ने अपनी कला के माध्यम से जीवन में प्रकृति की महत्ता को जीवंत रूप दिया। इनमें प्रमुख नाम निम्नलिखित है – अजय कुमार घोषाल, जयप्रकाश चौहान, कमल कुशारी, श्रीधर सुब्रत चौधरी, सीआर हेंब्रम आदि।

## पुरस्कार एवं सम्मान समारोह

कार्यक्रम में झारखण्ड फॉरेस्ट ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन की अध्यक्ष भारती कुमार ने विजेता बाल कलाकारों को पुरस्कृत किया। समापन समारोह में रांची के वन प्रमंडल पदाधिकारी श्री श्रीकांत वर्मा, भा.व.से. ने सभी कलाकारों और प्रकृति प्रेमियों को सम्मानित किया।

**25 मार्च 2026**

## दिव्यांगजन सशक्तिकरण कार्यक्रम

प्रधान मुख्य वन संरक्षक–सह–वन बल प्रमुख, श्री संजीव कुमार, भा.व.से. ने दिव्यांगजनों को श्रवण यंत्र तथा अन्य सहायक उपकरण प्रदान किए गए।

वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखण्ड सरकार ने समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र, रांची के सहयोग से दिव्यांगजन को सहायक

उपकरण वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन पलाश सभागार रांची में किया गया। श्री संजीव कुमार, भा.व.से., ने कहा कि दिव्यांगजन हों या आम लोग सभी माला में सजे फूल की तरह हैं। इसमें से एक भी फूल मुरझाने ना पाए, समाज के सभी वर्गों का सहयोग इन्हें प्राप्त हो, ताकि यह हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल सकें।

पलाश सभागार में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पखवाड़ा के समापन कार्यक्रम की समाप्ति पर वन भवन में कार्यरत महिलाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं अध्यक्ष झारखण्ड जैवविविधता पर्षद श्री विश्वनाथ शाह, भा.व.से., प्रधान मुख्य वन संरक्षण–सह–कार्यकारी निदेशक बंजर भूमि विकास बोर्ड, राँची, श्री ए.टी. मिश्रा, भा.व.से., प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यप्राणी श्री रवि रंजन, भा.व.से., मुख्य वन संरक्षक, वन्यप्राणी श्री एस आर नटेश, भा.व.से., वन प्रमंडल पदाधिकारी, श्रीकांत वर्मा, भा.व.से., वन प्रमंडल पदाधिकारी, प्रशासन श्री अजिंक्य बंकर, प्रधान आप्त सचिव, श्री अरविंद कुमार, भा.व.से. समेत वन विभाग के सभी पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

## ग्राम वन सुरक्षा समिति की भागीदारी

ग्राम वन सुरक्षा समिति के सदस्य तथा रांची के विभिन्न स्कूल–कॉलेजों के बच्चों और शिक्षकों ने इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। तथा उन्हें इस कार्यक्रम में कला के माध्यम से जंगल एवं वन्यप्राणी संरक्षण पर जागरूकता फैलाने के विषय पर प्रत्यक्ष बोध हुआ।

# चतरा दक्षिणी वन प्रमंडल

**14 मार्च 2026**

## वन अग्नि जन–जागरूकता अभियान

## सिमरिया वन क्षेत्र, सलगी उप–परिसर

चतरा दक्षिणी वन प्रमंडल के सिमरिया वन क्षेत्र के सलगी उप–परिसर अंतर्गत आने वाले सभी गांवों में व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान में ग्रामीणों को निम्नलिखित विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई :

- जंगल में आग लगने से होने वाले नुकसान की जानकारी।
- आग न लगे इसके लिए क्या उपाय करें।
- महुआ चुनने के दौरान आग न लगाने से संबंधित विशेष जानकारी।
- आग लगाने पर वन्यजीव अपराध के तहत सजा और जुर्माने के बारे में जागरूकता।

**20-23 मार्च 2026**

## सिमरिया रेंज ( 20 गाँव )

- सिमरिया रेंज में ग्रामीणों के बीच वन अग्नि से संबंधित पम्पलेट का वितरण किया गया। 20 गांवों में जागरूकता अभियान चलाया गया तथा लोगों को आग से होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार से बताया गया।
- चतरा रेंज के अंतर्गत सबबीट—पांवों और पीएफ—भादे क्षेत्र में ग्रामीणों के बीच वन अग्नि से संबंधित पंपलेट का वितरण किया गया तथा लोगों को आग से होने वाले नुकसान के बारे में बताया गया।

## विशेष पहल | Special Initiative

## बुक बैठक - एक पार्क, एक किताब, एक समुदाय
## दुमका की शांत क्रांति

बुक बैठक एक पाक्षिक सामुदायिक पठन—मण्डल है, जिसकी शुरुआत श्री सात्विक व्यास, वन प्रमंडल पदाधिकारी, दुमका द्वारा की गई है। दुमका पार्क के हरे—भरे मैदान में पाठक, लेखक, छात्र और पुस्तक—प्रेमी एक साथ बैठकर पढ़ने का आनंद साझा करते हैं।

हर दूसरे रविवार को पार्क में प्रवेश के लिए ₹10 की फीस लगती है, परंतु संदेश यह है कि आपके हाथ में कोई किताब है — तो किताब ही आपका टिकट है।

**स्थान**
दुमका पार्क, दुमका, झारखण्ड

**आवृत्ति**
पाक्षिक ( हर दूसरे रविवार )

**भाषाएँ**
हिंदी, अंग्रेज़ी, बांग्ला, संथाली, उर्दू एवं अन्य

**रविवार प्रवेश नियम**
किताब = निःशुल्क प्रवेश
(₹10 शुल्क माफ)

**सामुदायिक भागीदार**
Dumka Diary (Instagram)
यदुवंश प्रणय

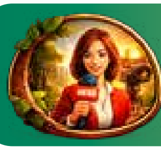

**मीडिया कवरेज**
The Telegraph · TOI · राष्ट्रीय दैनिक

साथ ही दुमका पार्क में एक निःशुल्क सामुदायिक पुस्तकालय भी बनाया गया है जहाँ कोई भी आकर पढ़ सकता है, पुस्तक दान कर सकता है या अदला–बदली कर सकता है। यहाँ महिलाओं की भागीदारी भी सराहनीय है।

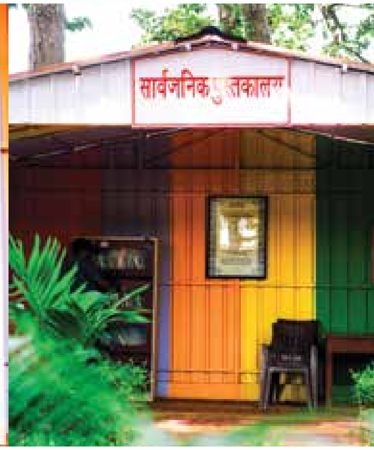

पढ़ना केवल ज्ञान नहीं है; यह उपचार है।
पार्क केवल हरियाली नहीं है; यह क्रांति है।
जब दोनों मिलते हैं - कुछ परिवर्तनकारी घटित होता है।

# मीडिया कवरेज

## मानव वन्य- प्राणी संघर्ष की रोकथाम को सर्वोच्च प्राथमिकता दें : संजीव

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। प्रधान मुख्य वन संरक्षक झारखंड, संजीव कुमार की अध्यक्षता में वन मुख्यालय रांची स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वन्य प्राणी और मानव संघर्ष की रोकथाम के लिए एक अहम बैठक हुई। इस बैठक में प्रधान मुख्य वन संरक्षक,वन्य प्राणी, झारखंड रवि रंजन एवं मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी झारखंड एस आर नटेश,वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रशासन, बनकर अजिंक्य सहित पूरे झारखंड के सभी वन प्रमंडल पदाधिकारी, सभी वन संरक्षक, सभी आरसीसीएफ उपस्थित थे। प्रधान मुख्य वन संरक्षक झारखंड ने अपने संबोधन में कहा कि हाल के दिनों में झारखंड राज्य के कुछ जिलों में हाथी द्वारा जानलेवा करवाई की गई है इस मानव वन्य -प्राणी संघर्ष के रोकथाम के लिए तकनीकी सेवाओं को कारगर बनाएं,आधारभूत संरचना को [illegible] द्वारा हमले, दुर्घटना, मृत्यु की स्थिति में किसी भी हाल में 12 दिनों के अंदर मुआवजे का भुगतान किया जाए। प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजीव कुमार ने कहा कि हमारा प्रयास हो की 10 दिनों के अंदर मुआवजे का भुगतान कर दिया जाए। वन्य जीव हमले की रोकथाम में स्थानीय ग्रामीण की सहभागिता बढ़ाई जाए जिससे इस समस्या पर काबू पाया जा सकता है। ग्रामीणों को जागरूक करें उन्हें उपाय बताएं उन्हें उपकरण और सामग्री उपलब्ध कराए। संजीव कुमार ने राज्य के उच्च वन अधिकारियों को निर्देश दिया कि [illegible] प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी रवि रंजन ने वन प्रमंडल पदाधिकारीयों को कहा कि सभी वन प्रमंडल पदाधिकारी आपस में मिलकर काम करें ना कि अपने वन प्रमंडल की रक्षा करें और अपने वन प्रमंडल से हाथी को भगाने का काम ना करें ।हाथी को शांत करने का प्रयास करें। त्वरित कार्यबल हाथी के साथ-साथ चलें और यदि हाथी दूसरे वन प्रमंडल में प्रवेश करता है तो दूसरे वन प्रमंडल की टीम साथ मिलकर कार्य करें। कोई आवश्यकता हो तो राज्य मुख्यालय से तुरंत संपर्क [illegible] अंदर रखें ताकि हाथी अनाज के सुगंध को पहचान ना पाए चेक डैम के निर्माण घास का मैदान पूरे राज्य में विकसित करने का प्रयास किया जाए मुख्य वन संरक्षक नटेश ने कहा कि कॉरिडोर को बचाना है माइक्रो हैबिटेट का निर्माण करना है प्रधान मुख्य वन संरक्षक झारखंड सर ने जो फॉक्स ग्रुप बनाया है उसमें माइक्रो हैबिटेट विकसित करने का प्रयास करें तथा जहां पानी हो, घास हो और हाथी को मानसिक तनाव न हो ऐसा जगह विकसित करें। प्रधान मुख्य वन संरक्षक झारखंड श्री संजीव कुमार ने कहा कि राज्य में लगभग 680 के आसपास हाथी है उनकी सुरक्षा तथा मानव की सुरक्षा दोनों की जिम्मेवारी हमारे विभाग की है [illegible] वन प्रमंडल स्तर [illegible] कॉरिडोर [illegible] आधारभूत [illegible] और उपकरणों [illegible] करें, ड्रोन, रेडियो कॉलर आदि एक [illegible]

4/12

## हाथी से पीड़ितों को सात दिनों में मुआवजे का लक्ष्य

### हाथी कॉरिडोर संरक्षण को प्राथमिकता

## A park, a book, a community: Dumka's quiet revolution

ANTARA MOHAN, ANUPAM SHESHANK ■ Ranchi

Do you remember the last time you held a book and lost yourself in its pages? The last time you spoke to a friend for hours about your favorite character, or sat in a library until the world outside disappeared?

For many of us, these memories feel like they belong to another life.

And yet, in Jharkhand's Dumka, something extraordinary is happening. Satwik Vyas, an Indian Forest Service officer of the 2018 batch, Jharkhand cadre, currently serving as the Divisional Forest Officer (DFO) of Dumka, has dared to return to basics with a beautiful initiative called Book *Baithak*.

Book *Baithak* began quietly; a small circle of readers, writers, students, and book lovers came together to share the joy of reading. Slowly, it grew into something larger. Every fortnight, people gather — some young, some old — united by their love for stories. What makes it magical is its simplicity. There are no stages or microphones and there are no buzzing phones to distract. Everyone keeps their devices aside so that the only notifications they receive are from the turning of pages and the flow of conversations.

EVERY LANGUAGE IS WELCOME HERE, WHETHER HINDI, ENGLISH, BANGLA, SANTHALI, URDU OR ANY TONGUE THAT CARRIES A STORY

Every language is welcome here, whether Hindi, English, Bangla, Santhali, Urdu or any tongue that carries a story. Even those who have not read the book are invited to sit and absorb the warmth of the *baithak*.

CONTINUED ON [illegible]

## वन को अग्नि से बचाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दें, संजीव कुमार प्रधान मुख्य वन संरक्षक, झारखंड

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

## दिव्यांगजन सशक्तिकरण कार्यक्रम का राज्य स्तरीय कार्यक्रम वन भवन के पलाश सभागार में संपन्न

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

## प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने वन अधिकारियों के साथ की बैठक

# हाथियों के हमले में हुए नुकसान का मुआवजा 10-12 दिनों के अंदर कर दें : संजीव कुमार

पॉलिटिकल रिपोर्टर | रांची

प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) संजीव कुमार ने वन अधिकारियों को निर्देश दिया है कि हाथियों के हमले में हुए नुकसान का मुआवजा 10 दिन के अंदर करें। संवाद को पीसीसीएफ ने वन अधिकारियों के साथ बैठक की। कहा, हाथियों के साथ-साथ लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी वन विभाग की है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है हाथी एवं जंगली जानवरों द्वारा हमले, दुर्घटना, मृत्यु की स्थिति में किसी भी हाल में 12 दिनों के अंदर मुआवजे का भुगतान किया जाए। पर, हमारा लक्ष्य यह होना चाहिए कि हम 10 दिन के अंदर ही मुआवजे का भुगतान कर दें। वन्य जीव हमले की रोकथाम में स्थानीय ग्रामीण की सहभागिता बढ़ाई जाए। इससे इस समस्या पर काबू पाया जा सकता है। ग्रामीणों को जागरूक करें। उन्हें उपाय बताएं। उपकरण और सामग्री उपलब्ध कराएं। 30 मिनट के अंदर क्विक रिस्पांस टीम घटनास्थल पर पहुंचे।

उन्होंने कहा कि राज्य में लगभग 680 के

### हाथी को शांत करने का प्रयास करें

पीसीसीएफ (वन्य प्राणी) रवि रंजन ने कहा कि सभी वन प्रमंडल पदाधिकारी आपस में समन्वय बना कर काम करें। केवल अपने वन प्रमंडल की रक्षा के लिए हाथी को न भगाएं। हाथी को शांत करने का प्रयास करें। स्थानीय कार्यबल हाथी के साथ-साथ चलें और यदि हाथी दूसरे वन प्रमंडल में प्रवेश करता है, तो दूसरे वन प्रमंडल की टीम साथ मिलकर कार्य करें। मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी एसआर नटेश ने कहा कि चेक डैम के निर्माण घास का मैदान पूरे राज्य में विकसित करने का प्रयास किया जाए।

सुरक्षा की जिम्मेदारी वन विभाग पर है। ...

# वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के त्रि-दिवसीय प्रकृति 2026 कैंप का हुआ समापन

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

रांची। वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के त्रि दिवसीय कार्यक्रम प्रकृति 2026 का समापन आज हुआ। ... रांची में 20 मार्च से 22 मार्च तक आयोजित हुआ।

# वनों को आजीविका से जोड़े- प्रधान मुख्य वन संरक्षक झारखंड

## निर्देश. प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने डीएफओ के साथ की समीक्षा बैठक

# मानव-हाथी दोनों की सुरक्षा जरूरी तकनीक का इस्तेमाल करें : हॉफ

### झारखंड में हाथियों की संख्या लगभग 680 है

### हाथी प्रोन एरिया को जोन में बांटें और उस पर त्वरित कार्रवाई करें : संजीव

## A park, a book, a community: Dumka's...

From the second meeting onwards, they too read along because by then, the atmosphere itself has done its work.

But Satwik wanted to go further. He dreamed of giving Dumka a space where reading could live and breathe every day. And so, inside Dumka Park, a public green space managed by the Forest Department, a free community library is being built. Anyone can come, read, donate, or exchange books. This library is especially precious for rural communities around Dumka, where many children and families cannot afford to buy books. Here, stories are free, no matter who you are.

And then came one of the most heartwarming ideas of all: every Sunday, whoever shows a book at the entrance gate of the park gets free entry. The book literally becomes your ticket. Normally, the park entry fee is Rs.10, but on Sundays, a book in your hand waives that fee. If someone does not carry a book, they simply pay Rs.10 and walk in. It is a novel concept, one that has perhaps never been seen before in India. It actively encourages people to read while also making them value books as gifts to the community. Imagine families walking in with novels tucked under their arms, children clutching comics, elders carrying treasured volumes, and all being welcomed into greenery because they brought a story to share.

This is more than a cultural event. It is a lifeline. In a time when anxiety and loneliness are rising, when people are forgetting how to slow down, Book Baithak offers an antidote. Reading is not just about knowledge; it is about healing. Parks are not just about greenery; they are about peace. And when the two come together, something transformative happens.

As authors, we feel deeply moved by what we see here. We have watched children who were shy with words suddenly speak with confidence. We have seen elders who thought reading had left their lives pick up books again. We have seen strangers turn into friends because of a shared story.

Dumka may be a small district, but the dream taking root here is large enough for the whole country. Book Baithak reminds us that reading is not old-fashioned, it is timeless. Public spaces can be alive with ideas. Books are not just paper and ink, but bridges that connect generations, heal minds, and bring back wonder to a world that desperately needs it.

Satwik Vyas has planted a seed in Dumka, but it has been nurtured by many caring hands. The Instagram page Dumka Diary and the tireless efforts of Yadavansh Pranay have been instrumental in spreading the word and building this community. And Satwik hopes this idea will not remain limited to Dumka Park alone. For now, it operates only within his division, but with time, he dreams of seeing it spread across Jharkhand and eventually the rest of the country.

If more towns and cities across India follow this path, imagine what we could build: a nation where children grow up curious again, where communities meet in parks and libraries, where mental health is nurtured not only by doctors but by dialogue, imagination, and stories.

When books and nature meet, they do not just create readers. They create healthier, kinder, and more connected human beings.

And perhaps that is the story India needs most right now.

# वन विभाग के फोकस ग्रुप की हुई अहम बैठक

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

रांची। प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजीव कुमार की अध्यक्षता में आज वन विभाग के राज्य मुख्यालय डोरंडा स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य भर के उच्च वन अधिकारी भाग लिए, संजीव कुमार ने 15 तक सभी समिति को अपना प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। यह बैठक 12:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से माध्यम से शुरू हुई।

World Sparrow Day

REPUBLIC DAY
CULTURAL PROGRAMME

rld Sparrow Day
March 20, 2026

अब बोलेगे नहीं,
अब तो करके हम दिखलायेंगे,
पर्यावरण बेहतर कर जायेंगे...

हरा भरा कर इस धरती को, सुंदर हम बनायेंगे
हवा बहे अब निर्मल–निर्मल,
नदियां की धारा कल–कल, कल–कल
ऐसा कुछ कर दिखलायेंगे
पर्यावरण बेहतर कर जायेंगे...

गांव–मुहल्ले में नीम और पीपल
आम–कटहल, जामुन–पाकड़
सड़क किनारे साल और शीशम
पेड़ों को विशाल बनायेंगे
पर्यावरण बेहतर कर जायेंगे...
जब धरती होगी, हरी–भरी
वर्षा होगी, खूब यहीं
खेतों में धान–गेहूं की फसलें
सब्जी और फलों के रेले
कृषक–श्रमिक हरशायेंगे
पर्यावरण बेहतर कर जायेंगे...

जब पर्यावरण बेहतर होगा
कोई रोग न बाधा होगा
कीट विषाणु नहीं दिखेंगे
सबके स्वास्थ्य बेहतर होंगे
ऐसा माहौल बनायेंगे
पर्यावरण बेहतर कर जायेंगे...

**स्वरचित – कृष्ण बिहारी मिश्र**

## प्रकृति की रक्षा ही राष्ट्र की रक्षा है


# वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
## झारखण्ड सरकार

**वन भवन, डोरण्डा, राँची - 834002 (झारखण्ड)**
**फोन : 0651.2481909 | ई–मेल : pccf.jhk@gov.in**
**वेब : https://forest.jharkhand.gov.in**

Follow us : https://www.facebook.com/people/Jharkhand- Van/61571129082807/
https://whatsapp.com/channel/0029Vb1ng8sJuyA8yzFpxp1C
https://www.instagram.com/jharkhand_van https://x.com/JharkhandVan